डेयरी विकास

नौवीं योजना के दौरान भारतीय डेयरी उद्योग के क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इसने 2007-08 के दौरान 104.8 मिलियन टन से भी अधिक दूध की वार्षिक वृद्धि प्राप्त कर ली है। इससे देश ने विश्व में न केवल प्रथम स्थान हासिल किया है बल्कि देश की बढ़ती आबादी के लिए दुग्ध तथा दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता में सतत वृद्धि सुनिश्चित की है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि डेयरी क्षेत्र करोड़ों गरीब परिवारों के लिए आय का एक महत्वपूर्ण अनुपूरक साधन है तथा उन करोड़ों लोगों के लिए रोजगार और आय के अवसर जुटाने में इसकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही है। वर्ष 2007-08 में प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 252 ग्राम प्रतिदिन तक पहुंच गया है, परन्तु विश्व के प्रतिदिन औसतन 265 ग्राम की तुलना में यह बहुत कम है। भारत सरकार, दुधारू पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि करने का प्रयास कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता में बढ़ोत्तरी होगी। भारत में दुग्ध उत्पादन तथा विपणन की व्यवस्था अनोखी है। अधिकतर दूध छोटे, सीमांत किसानों तथा भूमिहीन मजदूरों द्वारा उत्पादित किया जाता है, जो ग्रामीण स्तर पर सहकारिता के रूप में संगठित हैं। इन्हें स्थिर बाजार तथा उत्पादित दूध का लाभकारी मूल्य प्रदान करने के लिए, ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में देश में लगभग 1,28,800 ग्रामीण स्तरीय सहकारिता सोसाइटियों के तहत 13 मिलियन किसानों को ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के हिस्से के रूप में लाया गया है।

डेयरी क्षेत्र में विभाग के प्रयास गैर-ऑपरेशन फ्लड में डेयरी क्रियाकलापों को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इसका जोर दुग्ध और दुग्ध उत्पाद की गुणवत्ता उत्पादन करने के लिए राज्यों में सहकारिताओं की ढांचागत संरचना तैयार करना, बीमार डेयरी सहकारी संघों का पुनरुत्थान करना तथा मूलभूत सुविधाओं का सृजन करने पर है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विभाग ने 11वीं योजना के दौरान डेयरी क्षेत्र में एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना नामतः डेयरी/कुक्कुट उद्यम, पूँजीगत निधि सहित चार योजनाएं कार्यान्वित की हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ऑपरेशन फ्लड क्षेत्रों में डेयरी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अपनी गतिविधियों को जारी रख रहा है।

गहन डेयरी विकास परियोजना (आई डी डी पी) नामक योजना को गैर ऑपरेशन फ्लड, पर्वतीय एवं पिछड़े क्षेत्रों में 100% अनुदान सहायता आधार पर 1993-94 में आरंभ किया गया था। योजना के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- दुधारू गोपशुओं का विकास;
- तकनीकी आदान सेवाएं प्रदान करके दुग्ध उत्पादन में वृद्धि;
- लागत प्रभावी तरीके से दूध की अधिप्राप्ति, प्रसंस्करण तथा विपणन;
- दुग्ध उत्पादकों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना;
- अतिरिक्त रोजगार के अवसर जुटाना;

- अपेक्षाकृत अधिक उपेक्षित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सामाजिक, पौषणिक तथा आर्थिक दर्जे में सुधार।

मार्च, 2005 में योजना का संशोधन किया गया था। संशोधित योजना का नाम "गहन डेयरी विकास कार्यक्रम (आईडीडीपी) " दिया गया है और पर्वतीय, पिछड़े क्षेत्रों तथा उन जिलों में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिन्हें ऑपरेशन फ्लड कार्यक्रम के अंतर्गत डेयरी विकास कार्यकलापों के लिए 50.00 लाख रूपए से कम धनराशि मिली थी।

संशोधित योजना के अंतर्गत धनराशि सीधे क्रियान्वयन एजेंसियों (राज्य दुग्ध परिसंघों/संघों) को जारी किए जाते हैं और राज्य दुग्ध परिसंघों/संघों द्वारा उनकी विशेषज्ञता एवं व्यवसायिकता को देखते हुए परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है। इस योजना के तहत लिंग एवं वर्ग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाता है।

योजना की शुरूआत से, कुल 31.3.2009 तक कुल 501.84 करोड़ रूपए के लागत से 25 राज्यों एवं एक संघ शासित प्रदेश को शामिल करते हुए 207 जिलों सहित 86 परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है। इनमें से 55 परियोजनाएं क्रियान्वयनधीन हैं तथा 31 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। इन परियोजनाओं से 31.12.2007 तक प्रतिदिन 20.08 लाख लीटर दूध की अधिप्राप्ति तथा 16.20 लाख लीटर दूध प्रतिदिन के विपणन द्वारा विभिन्न राज्यों के 26844 गांवों के 18.79 लाख कृषकों को लाभ हुआ है। इस योजना के तहत 18.49 लाख लीटर की दूध की प्रतिदिन चिलिंग क्षमता तथा 23.96 लाख लीटर प्रतिदिन प्रसंस्करण क्षमता सृजित की गई है।

भारत के संबंध में दुग्ध और दुग्ध उत्पादों के आयात और निर्यात की मात्रा और मूल्य

वर्ष	निर्यात		आयात	
	मात्रा (हजार किलोग्राम में)	मूल्य (लाख रुपए में)	मात्रा (हजार किलोग्राम में)	मूल्य (लाख रुपए में)
2003-04	13813.72	17023.87	17166.83	13389.01
2004-05	55597.06	62353.15	6932.45	5691.24
2005-06	86454.40	95855.69	3204.01	3750.10
2006-07	54028.26	64172.91	12788.23	11142.89
2007-08	84621.8	101862.74	3684.82	6144.85
2008-09 (सितम्बर तक)	49903.49	63659.68	2080.85	3431.78